ग्रीबों की आजीविका चलाने के लिए लगाए गुग्गुल के एक हजार पौधे।

दिनांक 23 अगस्त 2019 को पटवारी प्रशिक्षण केन्द्र व विद्यालय प्रांगण के पीछे 6 हेक्टयर जमीन है उसमें राष्ट्रीय औषध पादप बोर्ड दिल्ली के सहयोग से सुजाग्रति संस्था द्वारा गुग्गुल के एक हजार पौधे रोपे गए। व्यापक पैमाने पर पौधारोपण का यह आयोजन सुजाग्रति संस्था द्वारा स्कूली छात्र एवं ग्रामिणों के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर वन विभाग रेंजर श्री एम.के. कुलश्रेष्ठ एंव बी.आर.सी. श्री एस.के. सिकरवार प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

पौधा रोपण के उपरांत एक संगोष्ठी का आयोजन किया। जिसमें स्कूली छात्र–छात्राऐं एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए समाज सेवी श्री जाकिर हुसैन ने कहा कि गुग्गुल की फसल को जानवर नहीं खाते हैं तथा इसे विकसित होने के लिए पानी की आवश्यकता नही होती। यह विलुप्त होती जा रही हैं। जबकि यह प्रजाति गरीब लोगों की आजीविका का प्रमुख साधन बन सकती है। गुग्गुल का गोंद 1200 रूपये प्रति किलो बिकता है। तथा इसे बाजार में तलाशने में ज्यादा परेशानी नही होती। जाकिर हुसैन ने बताया गया कि मुरैना जिले में 35000 हेक्टेयर जमीन बीहड़ में परिवर्तित हो चुकी है। अगर इस जमीन में पर्याप्त मात्रा में औषधि पौधे हैं, गुग्गुल सताबर जैसे पौधे रोपे जाएं तो न केवल गरीबों आजीविका चलेगी, बल्कि इससे बीहड़ कटाव भी रूकने के साथ पर्यावरणीय लाभ होगा।

अध्यक्ष
सुजाग्रति समाज सेवी
संस्था मुरैना म0 प्र0